among the occupants of the flats remain owing to the defective constructions of flats; and

(d) if so, in what manner Government propose to set things right?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT (SHRI DALBIR SINGH): (a) No, Sir.

(b) Yes, Sir. For repairs/maintenance of tanks, the allottees will have to approach the terrace from the balcony of the top floor.

(c) DDA has intimated that they are not aware of any tension and wrangles among the occupants of the flats as the construction of the flats is satisfactory.

(d) No remedial measures are required as the need for access to the tanks for repairing etc. will be rare and necessary co-operation by the residents of the top floors should ordinarily be forthcoming.

2299. [*Transferred to the 9th August*, 1989].

Release of assistance to District Rural Development agencies and Zilla Parishads

2300. SHRI SURESH PACHOURI: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Centre had released some assistance to the District Rural Development Agencies and Zilla Parishads for the Jawahar Rozgar Yojna;

(b) if so, the amount sanctioned for this purpose;

(c) the main features of the scheme;

(d) to what extent the amount has been utilised by the States; and

(e) what is the amount allotted under the scheme to Madhya Pradesh and to what extent these funds have been utilised?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI JANARDHAN POOJARI): (a) Yes, Sir.

(b) An amount of Rs. 2100 crores has been allocated to different District Rural Development Agencies and Zilla Parishads as Centre's share for implementation of Jawahar Rozgar Yojna for the year 1989-90.

(c) Main features of the Yojna are given in Annexure [*See* Appendix CLI, Annexure No. 135].

(d) As per reports received from the States/UTs an amount of Rs. 9773.20 lakhs have been utilised so far.

(e) An amount of Rs. 25618.70 lakhs including that of State's share has been allocated to the Government of Madhya Pradesh under Jawahar Rozgar Yojna for the year 1989-90. The State Government has not reported any utilisation so for.

मुर्गी पालन को प्रोत्साहन

2301. **श्री हरि सिंह** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में मुर्गी पालन को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाएं क्या-क्या हैं ;

(ख) मुर्गी पालन को प्रोत्साहित करने के लिये क्या-क्या वित्तीय प्रोत्साहन दिया जा रहा है ; और

(ग) देश में ऐसे मुर्गी पालकों की संख्या कितनी है जिन्हें सरकार द्वारा मुर्गी बेचने के लिए बाजार की सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है ?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री श्याम लाल यादव) : (क) वर्तमान कुक्कुट विकास योजनाओं को जारी रखे जाने के अतिरिक्त आठवीं पंचवर्षीय योजना के लिये कुक्कुट

पालन और उत्पादन में वृद्धि करने के लिये कुछ कार्यक्रमों की सिफारिश की गई है, जिन्हें अन्तिम रूप दिया जा रहा है।

(ख) कुक्कुट इकाइयों की स्थापना करने के लिए छोटे कुक्कुट पालकों को सरकार द्वारा वित्तीय सहायता दी जा रही है।

(ग) राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर अंडों और मुर्गियों के विपणन का कार्य भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड को सौंपा गया है। अंडों और मुर्गियों के विपणन के लिये राज्य स्तर के कुक्कुट निगमों/संघों और इसी प्रकार के अन्य संगठनों द्वारा भी सुविधायें प्रदान की जा रही हैं। इन सुविधाओं का लाभ कुक्कुट पालक अपने-अपने क्षेत्रों में उठा सकते हैं। तथापि इन सुविधाओं का लाभ उठाने के लिये कृषकों की कोई संख्या सीमित नहीं की गई है।

दूध उत्पादन का लक्ष्य

2302. **श्री राम जेठमलानी :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आठवीं पंचवर्षीय योजना के अंत तक समूचे देश में दूध के उत्पादन के लिये निर्धारित लक्ष्य क्या है और इस लक्ष्य के प्राप्त होने के बाद देश के प्रत्येक नागरिक के लिए दूध की उपलब्धता का ब्यौरा क्या है ; और

(ख) क्या सरकार ने दूध उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए किसी नई योजना की शुरुआत की है, यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और इस समय देश में प्रति-व्यक्ति दूध की औसत खपत क्या है ?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री राम लाल यादव) : (क) और (ख) आठवीं पंचवर्षीय योजना के लिये दुग्ध उत्पादन के लक्ष्य को अभी अन्तिम रूप नहीं दिया गया है। वर्ष 1988-89 के दौरान प्रति व्यक्ति दूध की औसत खपत प्रति व्यक्ति प्रति दिन 167 ग्राम है। (800 मिलियन अनुमानित जनसंख्या के साथ 48.70 मिलियन मीटरी टन के प्रत्याशित दुग्ध उत्पादन पर आधारित)।

सरसों के उत्पादन के लिए माडल

2303. **श्री राम जेठमलानी :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 15 मई, 1989 को "हिन्दुस्तान टाइम्स" में प्रकाशित "माँडल फार मस्टर्ड प्रोडक्शन" शीर्षक समाचार की ओर आकृष्ट किया गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार द्वारा कृषकों को कृषि वैज्ञानिकों की सक्रिय सहायता उपलब्ध कराने के लिये कोई ठोस कदम उठाये गये हैं ; और

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं और यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

कृषि मंत्रालय में कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग में राज्य मंत्री (श्री हरिकृष्ण शास्त्री) : (क) जी हां।

(ख) जी हां।

(ग) उठाए गए कदम निम्न प्रकार हैं :

1. किसान मेलों का आयोजन।

2. कृषि विज्ञान केन्द्र स्थापित करना।

3. किसानों के खेतों पर प्रदर्शन करना।

4. व्यावहारिक अनुसंधान प्रयोजनायें चालू करना।

5. प्रयोगशाला से खेत तक कार्यक्रम का काम शुरू करना।

6. प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित करना।